इंजीनियरिंग कॉलेजों में लागू होगा सीबीसीएस

जागरण संवाददाता, लखनऊ : इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट कॉलेजों में स्नातक (यूजी) व परास्नातक (पीजी) कोर्सेज में वर्ष 2016 से च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) लागू किया जाएगा। यह महत्वपूर्ण निर्णय डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) की विद्या परिषद की बैठक में लिया गया। कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक की अध्यक्षता में हुई विद्या परिषद की बैठक में सीबीसीएस को लागू करने के लिए एक चार सदस्यीय कमेटी बनाने का भी फैसला लिया गया। जो कि आर्डिनेंस में आवश्यक संशोधन करते हुए इसे लागू करवाएगी।

विद्या परिषद की बैठक में यह भी फैसला लिया गया कि अब सभी विद्यार्थियों की मार्कशीट पर पिता के नाम के साथ-साथ माता का नाम भी छापा जाएगा। कुलपति प्रो., विनय कुमार पाठक ने बताया कि एकेटीयू से संबद्ध सभी संस्थानों में शिक्षकों की भर्ती के लिए जो शिक्षक पात्रता परीक्षा आयोजित होगी उसे टीसीएस जैसी किसी बड़ी कंपनी से आयोजित करवाया जाएगा। प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेजों में अभी गुणवत्तापरक पढ़ाई इसलिए नहीं होती क्योंकि अच्छे शिक्षक नहीं मिलते। मगर एकेटीयू द्वारा शिक्षक पात्रता परीक्षा आयोजित करने से अच्छे शिक्षक प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेजों को मिलेंगे। इस परीक्षा में वस्तुनिष्ठ सवालों के अलावा अभ्यर्थी के एप्टीट्यूट का भी टेस्ट होगा।

एकेटीयू ने दीक्षांत समारोह की ड्रेस भी बदल दी है। अब गाउन की बजाए विद्यार्थी पगड़ी व अंगवस्त्र पहनेंगे। दीक्षांत समारोह में छात्रों को सलाह दी गई है कि वह सफेद रंग की शर्ट, गहरे रंग की पैंट के साथ पगड़ी व अंगवस्त्र पहनें व छात्राएं साड़ी के साथ अंगवस्त्र पहनेंगी।

एकेटीयू का फैसला

- एकेटीयू की विद्या परिषद की बैठक में इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट कॉलेजों में अगले वर्ष से सीबीसीएस के तहत होगी पढ़ाई
- विद्यार्थियों की मार्कशीट पर अब माता का नाम भी होगा, दीक्षांत समारोह में विद्यार्थी पगड़ी व अंगवस्त्र पहनेंगे
- कॉलेजों में शिक्षकों की भर्ती के लिए आयोजित होने वाली शिक्षक पात्रता परीक्षा में एप्टीट्यूट टेस्ट भी

एग्रीकल्चरल एजुकेशन डे

राष्ट्रीय मत्स्य आनुवांशिक संसाधन ब्यूरो में 19 नवंबर को एग्रीकल्चरल एजुकेशन डे का आयोजन किया जाएगा। इसमें स्कूली छात्र-छात्राओं के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी दिए जाएंगे।